MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
June 2024

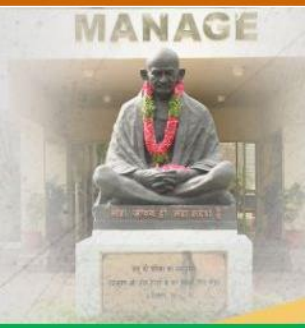

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज ने 37वां स्थापना दिवस मनाया

मैनेज ने दिनांक 11 जून 2024 को अपने परिवार के सदस्यों द्वारा बड़े उत्साह के साथ अपना 37वां स्थापना दिवस मनाया और चौथे मैनेज कृषि विस्तार पुरस्कार-2023 समारोह में कृषि विस्तार के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ताओं और लेखकों को पुरस्कारों से सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. सिंह, कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी; श्री अनिल जैन, उप सचिव (विस्तार), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, संकाय सदस्यों, कर्मचारी सदस्य और पुरस्कार विजेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. ए. के. सिंह ने मैनेज की स्थापना के बाद से ही उससे जुड़ी अपनी यादें साझा कीं और कृषि विस्तार प्रबंधन में मैनेज के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला, जिसने देश में जमीनी स्तर पर किसानों की भागीदारी और हितधारकों के अभिसरण को बढ़ावा दिया।

उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सेवाओं और किसानों के कल्याण के प्रति समर्पण के माध्यम से निरंतर नवाचार के लिए मैनेज की सराहना की।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने इस बात पर जोर दिया कि मैनेज ने अपने अभिनव कार्यक्रमों जैसे कि एसीएंडएबीसी, देसी, पीजीडीएईएम, एसटीवाई, सेवा-मैनेज, जय जवान किसान, एग्री स्टार्टअप कार्यक्रमों के माध्यम से अपने क्षितिज को विस्तार दिया है, जिसमें सार्वजनिक और निजी विस्तार प्रणाली, कृषि-इनपुट डीलरों, कृषि उद्यमियों, ग्रामीण युवाओं, पूर्व सैनिकों, गैर सरकारी संगठनों और कृषि-व्यवसाय क्षेत्र से बड़ी संख्या में हितधारकों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यूएसएआईडी के एफटीएफ-आईटीटी, आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रमों और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग जैसी अंतरराष्ट्रीय पहलों के माध्यम से मैनेज ने 30 से ज्यादा देशों में फैली सीमाओं से परे गतिविधियों को अपने दायरे बढ़ाया है।

महानिदेशक का संदेश

मीलो जाना है

जब हम दिनांक 11 जून, 2024 को राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) के 37वें स्थापना दिवस का जश्न मना रहे हैं, यह हमारे सफर पर विचार करने और हमारी उपलब्धियों का जश्न मनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह संस्थान, जो 1987 में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित किया गया था, कृषि के विस्तार दृष्टिकोणों के माध्यम से कृषि में उत्पन्न हो रही चुनौतियों का समाधान करने के लिए समर्पित है।

मैनेज की यात्रा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन केंद्र के रूप में शुरू हुई थी, और हमारी बढ़ती भूमिका को मान्यता देते हुए वर्ष 1992 में इसे एक राष्ट्रीय संस्थान के रूप में बनाया गया और इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज) रखा गया। हमारा मिशन तेजी से बढ़ते और विविध कृषि क्षेत्र द्वारा उत्पन्न कृषि विस्तार की चुनौतियों का विशेष रूप से उदारीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों के संदर्भ में सामना करना रहा है। मैनेज समय-समय पर नवोन्मेषी दृष्टिकोणों के माध्यम से सक्षम कृषि विस्तार प्रणाली को जीवंत और प्रतिक्रियाशील बनाने का प्रयास कर रहा है।

"कॉन्सेप्ट नर्सरी" के रूप में, मैनेज ने कई नवोन्मेषी विचारों और कार्यक्रमों की शुरुआत की है, जैसे कि कृषि-बिजनेस प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडी-एबीएम), एग्रि-क्लिनिक और एग्रि-बिजनेस सेंटर (एसीएबीसी) योजना, इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा (देसी), कृषि विस्तार प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएईएम), ग्रामीण युवा के लिए कौशल प्रशिक्षण (एसटीआरवाई), कृषि स्टार्टअप इनक्यूबेशन प्रोग्राम, प्रमाणित फार्म/पशुपालन सलाहकार (सीएफए/सीएलए) प्रोग्राम, एफपीओ अकादमी, सेवा विस्तार माध्यम से स्वयंसेवी संघ (सेवा), राष्ट्रीय कृषि पत्रकारों का नेटवर्क (एनएनएजे), राष्ट्रीय फेसिलीटेटर, और जय जवान किसान कार्यक्रम, सर्वोत्तम एग्रीप्रेन्योर, कृषि स्टार्टअप, कृषि फिल्में, कृषि विस्तार में थीसिस और किताबों का सम्मान आदि, कृषि विस्तार अनुशासन को तेज़ी से आगे बढ़ाने और सभी संबंधित पक्षों को जोड़ने के लिए। पिछले कुछ वर्षों में, मैनेज ने अपने दृष्टिकोण को विस्तारित किया है, कई खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया है और प्रत्येक वर्ष 1 लाख से अधिक हितधारकों तक पहुंचने की कोशिश की है, जिनमें कृषि विस्तार अधिकारी, वैज्ञानिक, इनपुट डीलर, एग्रीप्रेन्योर, एफपीओ, कृषि स्टार्टअप, युवा, किसान नेता, विद्वान और छात्र शामिल हैं।

जैसे ही हम आगे की ओर देखते हैं, मैनेज प्रबंधन प्रशिक्षण, परामर्श, प्रबंधन शिक्षा, अनुसंधान और सूचना सेवाओं में अपनी सेवाएं प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध है। किसानों और अन्य हितधारकों को सतत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता हमारे प्रयासों को निरंतर प्रोत्साहित करती है। इस विशेष स्थापना दिवस पर, हम अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं और कृषि विस्तार प्रबंधन में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से व्यक्त करते हैं।

डॉ. पी. चन्द्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

इस अंक में .....

• मैनेज ने 37वां स्थापना दिवस मनाया	1,3&4
• महानिदेशक का संदेश	2
• मैनेज ने 29वें बैच पीजीडीएम-एबीएम का अनावरण किया	5
• प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श	6 & 7
• प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से कृषि विस्तार कौशल को बढ़ाना	8
• तमिलनाडु कृषि अधिकारियों के लिए डिजिटल मार्केटिंग और निर्यात अवसरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	9
• विश्व पर्यावरण दिवस 2024 पर मैनेज का आयोजन	10
• मैनेज ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 मनाया	11
• श्री श्रीधर खिस्ते की प्रेमपूर्ण स्मृति	11
• ग्रीनींग मैनेज	12
• ओडिशा में 1,500 बागवानी अधिकारियों को प्रशिक्षित करेगा मैनेज	12
• प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने मैनेज का दौरा किया	13
• डॉ. बिजय कुमार बेहरा, एआरएस, एनएफडीबी के मुख्य कार्यकारी ने मैनेज का दौरा किया	13

मैनेज ने 37वां स्थापना दिवस मनाया

उन्होंने कहा कि मैनेज प्रत्येक वर्ष 1 लाख से ज़्यादा हितधारकों तक पहुँचता है, जिसमें कृषि विस्तार अधिकारी, वैज्ञानिक, इनपुट डीलर, कृषि उद्यमी, एफपीओ, कृषि स्टार्टअप, निजी क्षेत्र, युवा, किसान नेता, छात्र आदि शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने एक स्थायी संगठन के लिए मैनेज की हरित पहलों का संकेत दिया, जिसमें सौर और पवन ऊर्जा का दोहन करने के लिए सौर और हाइब्रिड सौर इकाइयाँ, पीजीडीएम-एबीएम छात्रों के लिए "मी एंड माई प्लांट" कार्यक्रम, परिसर में बांस का पौधारोपण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वर्मीकंपोस्टिंग और एक इलेक्ट्रिक बग्गी की शुरूआत शामिल है जिसका अनुसरण अन्य संगठन भी कर सकते हैं।

श्री अनिल जैन, उप सचिव (विस्तार), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने मैनेज की बढ़ती प्रतिष्ठा की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि सेवा-मैनेज, देसी, मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज लेक्चर सीरिज और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण पहल जैसे नवीन कार्यक्रमों ने भारत में कृषि विस्तार प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक, (कृषि विस्तार), डॉ. के. सी. गुम्माग्लोमठ, निदेशक, (एम एंड ई), डॉ शैलेंद्र, निदेशक, (कृषि विपणन), डॉ. बी. रेणुका रानी, उप-निदेशक, (एनआरएम) और डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तलुरी, उप-निदेशक, (केएम), मैनेज ने अपने अनुभव साझा किए और पूर्व संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।

डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

मैनेज ने 37वां स्थापना दिवस मनाया

चौथा मैनेज कृषि विस्तार पुरस्कार-2023

दिनांक 11 जून 2024 को 37वें मैनेज स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, मैनेज ने चौथे मैनेज कृषि विस्तार पुरस्कार-2023 का आयोजन किया और कृषि विस्तार में तीन सर्वश्रेष्ठ एम.एससी., थीसिस, 3 सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी., थीसिस और तीन सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों को पुरस्कार दिए।

डॉ. ए. के. सिंह, कुलपति, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी; डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री अनिल जैन, उप सचिव (विस्तार) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने विजेताओं को नौ पुरस्कार वितरित किए। पुरस्कार विजेताओं का विवरण इस प्रकार है:

सर्वश्रेष्ठ एम.एस.सी., थीसिस

प्रथम पुरस्कार

Title: Community resilience against natural hazards in rice farming systems: A social network analysis
Scholar Name: Suddamalla Manoj Kumar Reddy
University: KAU, Thrissur

द्वितीय पुरस्कार

Title: Flood vulnerability of rural women - an indicator-based approach
Scholar Name: Holy Mercy Divina Matla
University: KAU, Thrissur

तृतीय पुरस्कार

Title: Sustainability assessment of banana value chains of Palakkad district, Kerala
Scholar Name: Nikhil K. S.
University: KAU, Thrissur

सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी., थीसिस

प्रथम पुरस्कार

Title: Development of Climate Services and Its Im-pact on Murrah Buffalo Farmers of Haryana **Scholar Name:** Dr Manjunath K V
University: ICAR-NDRI, Karnal, Haryana

द्वितीय पुरस्कार

Title: An Analytical Study on Livelihood and Climate Change Adaptations among the Communities of Bio-sphere Reserves and Heritage Zones **Scholar Name:** Dr. Aiswarya S.
University: ICAR- IARI, New Delhi

तृतीय पुरस्कार

Title: Innovations for Adaptation to Climate Change and Natural Disasters
Scholar Name: Sudip Kumar Gorai
University: ICAR- IARI, New Delhi

कृषि विस्तार में सर्वश्रेष्ठ पुस्तक

प्रथम पुरस्कार

Title: Modern Technique of Vegetable Science
Author Name: Dr. T. K. Behera
University: ICAR- IARI, New Delhi

द्वितीय पुरस्कार

Title: Happiness of Farmers The Social Ecology and Strategy
Author Name: Prof. (Dr.) Sankar Kr. Acharya
University: BCKV, Mohanpur, WB, India

तृतीय पुरस्कार

Title: Unnat Bakree Palan
Author Name: Manish Kumar Chatli
University: ICAR-CIRG, Uttar Pradesh

मैनेज ने अपने प्रतिष्ठित कृषि-व्यवसाय प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीडीएम-एबीएम) के 29वें बैच का अनावरण किया

मैनेज ने शैक्षणिक वर्ष 2024-26 के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) - पीजीडीएम (एबीएम) के अपने 29वें बैच की शुरुआत दिनांक 19 जून, 2024 को 120 युवा उम्मीदवारों के साथ की, जो कृषि व्यवसाय क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं।

मैनेज वर्ष 1996 से भारत में सफलतापूर्वक दो वर्षीय पीजीडीएम (एबीएम) पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है, जिसे राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित किया गया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मेधावी कृषि स्नातकों को प्रभावी कृषि-व्यवसाय प्रबंधन के लिए आवश्यक दक्षताओं से लैस करना है।

छात्रों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा, "मैनेज छात्रों को कृषि व्यवसाय परिदृश्य में अपने करियर को आकार देने और समाज में योगदान देने वाले अच्छे नागरिक बनने में खासकर किसानों के कल्याण के लिए मदद कर सकता है । उन्होंने उम्मीद जताई कि दो साल का डिप्लोमा पूरा करने के बाद, छात्र कृषि प्रौद्योगिकियों को नया रूप देने, कृषि प्रबंधन प्रथाओं को बेहतर बनाने और किसानों और कृषि समुदाय के समग्र कल्याण को बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे व्यावसायिक विकास के लिए मैनेज में उपलब्ध सभी अवसरों का लाभ उठाएं।

डॉ. के. आनंद रेड्डी, प्रधान समन्वयक, पीजीडीएम (एबीएम) ने इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। विविधता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि 29वें बैच में 120 छात्र शामिल हैं, जो देश भर के 20 राज्यों, 45 विश्वविद्यालयों और कृषि क्षेत्र के 10 विषयों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने कहा कि इस कोर्स के लिए देश भर से कृषि व्यवसाय में विशेषज्ञता रखने वाले प्रतिष्ठित और उच्च प्रतिष्ठित संकाय छात्रों को अपना ज्ञान प्रदान करते हैं और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में उनकी क्षमताओं और कौशल को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष, मैनेज के छात्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट हासिल करते हैं।

उन्होंने कहा कि मैनेज में कैंपस का माहौल बहुत ही सहायक है और छात्रों को अपने व्यक्तित्व को विकसित करने और अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। नए शामिल हुए छात्रों ने अपना परिचय दिया और अपनी महत्वाकांक्षाओं और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। इस कार्यक्रम में छात्र और उनके माता-पिता, मैनेज के संकाय और कर्मचारी शामिल हुए। डॉ. डी. अनिल कुमार, अकादमिक एसोसिएट, मैनेज और बैच समन्वयक ने कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 14 जून, 2024 को मैनेज में "प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श" का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य ज्ञान का आदान-प्रदान करना, नवीन समाधानों की खोज करना, प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करना था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में सुश्री साबरमती टिकी, पद्मश्री पुरस्कार विजेता और प्राकृतिक खेती व्यवसायी

और सह-संस्थापक – संभव, ओडिशा; डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; डॉ. पी चंद्र शेखर, महानिदेशक, मैनेज; डॉ. एस के चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम), आईसीएआर; डॉ. एस के शर्मा, सहायक महानिदेशक (एचआरएम), आईसीएआर; डॉ. एस एन सिन्हा, वैज्ञानिक आईसीएमआर-एनआईएन, हैदराबाद; डॉ. एम. रवींद्रन, अनुसंधान निदेशक, टीएनएयू; डॉ. प्रवत कुमार राउल, कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय; डॉ. बलजीत सिंह सहारन, सीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल थे।

इस कार्यक्रम में देश भर के प्रोफेसरों, कृषि अधिकारियों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और कृषि उद्यमियों सहित 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि सुश्री साबरमती टिकी ने अपने मुख्य भाषण में रासायनिक और प्राकृतिक खेती दोनों को समान रूप से समर्थन देने के लिए पाठ्यक्रम और शोध एजेंडे को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि रासायनिक खेती में भारी निवेश के बावजूद, भूखमरी एक समस्या बनी हुई है।

इसके विपरीत, उन्होंने कहा प्राकृतिक खेती न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि मिट्टी, पोषक तत्वों और जैव विविधता की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने प्राकृतिक खेती के प्रति वैज्ञानिक समुदाय के दृष्टिकोण में बदलाव का आग्रह किया और रासायनिक और प्राकृतिक खेती दोनों के लिए समान बजट आवंटित करने के लिए अनुसंधान नीतियों का आह्वान किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि पौधों या खाद्य विकास को तेज करने के उद्देश्य से कीटनाशकों, कवकनाशकों, खरपतवारनाशकों और रासायनिक वृद्धि हार्मोन जैसे रसायनों के व्यापक उपयोग से मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने रासायनिक खेती के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने और मानव स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए एक जन आंदोलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने किसानों से सीखने, प्राकृतिक खेती के मॉडल स्थापित करने, जागरूकता फैलाने के लिए ग्राम पंचायतों को शामिल करने और प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया।

प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए संगठन के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मैनेज ग्राम पंचायतों को जागरूक कर रहा है, कृषि सखियों को प्रशिक्षित कर रहा है, मास्टर ट्रेनर तैयार कर रहा है और प्राकृतिक खेती के तरीकों पर नियमित प्रशिक्षण, कार्यशालाएँ और अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इसके अलावा विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने संबंधित विषयों की एक श्रृंखला पर प्रस्तुति दी। डॉ. एस. के. चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम), आईसीएआर ने प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर चर्चा की। डॉ. एस. के. शर्मा, सहायक महानिदेशक (एचआरएम), आईसीएआर ने कृषि पाठ्यक्रमों में प्राकृतिक खेती को शामिल करने के बारे में बात चर्चा की। आंध्र प्रदेश सरकार के डॉ. के. एस. वरप्रसाद, आरवाईएसएस के सलाहकार और डॉ. बलजीत सिंह सहारन, प्रोफेसर, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने प्राकृतिक खेती के माध्यम से जलवायु लचीलापन पर चर्चा की। सुरक्षित, स्वस्थ और पौष्टिक भोजन प्राप्त करने में प्राकृतिक खेती की भूमिका पर डॉ. एस. एन. सिन्हा, प्रमुख द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने आईसीएमआर - राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद में खाद्य सुरक्षा प्रभाग में मैनेज की भूमिका पर एक प्रस्तुति दी; इस अवसर पर तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. एम. रवींद्रन, अनुसंधान निदेशक और डॉ. प्रवत कुमार राउल, कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भी उपस्थित थे।

श्री रविन्द्र ए., कार्यकारी सचिव वासन के द्वारा संचालित एक पैनल चर्चा में अटारी और केवीके के प्राकृतिक किसानों और वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया तथा प्राकृतिक खेती पर सर्वोत्तम प्रथाओं और विचारों को साझा किया।

इस अवसर पर प्राकृतिक कृषि उत्पादों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। सुश्री रचना कुमार, उप सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. बी. रेणुका रानी, उप-निदेशक, मैनेज ने प्राकृतिक खेती टीम के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से कृषि विस्तार कौशल को बढ़ाना

मैनेज ने दिनांक 5-25 जून, 2024 को कृषि, डेयरी और पशुपालन विभागों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों और केवीके में कार्यरत हाल ही में भर्ती किए गए विस्तार कर्मियों; सहायक प्रोफेसरों; विषय वस्तु विशेषज्ञों (एसएमएस); वैज्ञानिकों; और देश भर के कृषि अधिकारियों के लिए एक प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच तकनीकी और कार्यात्मक दक्षताओं को बढ़ाना, नेतृत्व क्षमता विकसित करना और डिजिटल कौशल में सुधार करना था। इन सत्रों में भारतीय कृषि पारिस्थितिकी तंत्र, खाद्य प्रणालियों और राष्ट्रीय कृषि नीति का अवलोकन शामिल था। प्रतिभागियों ने कृषि विस्तार में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं, प्राकृतिक खेती के लिए रणनीतियों, जलवायु-स्मार्ट कृषि और विस्तार सेवाओं में लिंग और पोषण के एकीकरण का पता लगाया।

कार्यक्रम में सहभागी सिंचाई प्रबंधन, एकीकृत कीट प्रबंधन और सतत जलीय कृषि प्रथाओं जैसे विषयों को शामिल किया गया। कुल मिलाकर, प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि विस्तार पेशेवरों के मूल्यों और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना था, ताकि उन्हें कृषि क्षेत्र में प्रगति करने के लिए तैयार किया जा सके।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने कृषि में उन्नत अनुसंधान, टिकाऊ प्रथाओं और नवीन तकनीकों को सीखने के लिए आईसीएआर-नार्म, आईसीआरआईएसएटी और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड जैसे संस्थानों का दौरा किया। प्रतिभागियों ने प्रभावी अनुसंधान पद्धतियों, परियोजना प्रबंधन और कृषि विकास में नेतृत्व की भूमिका के बारे में भी सीखा।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) एवं सीईओ, मैनेज-सीआईए, मैनेज ने इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया।

तमिलनाडु कृषि अधिकारियों के लिए डिजिटल मार्केटिंग और निर्यात अवसरों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 24-29 जून, 2024 को तमिलनाडु सरकार के कृषि विपणन और कृषि-व्यवसाय विभाग के अधिकारियों के लिए डिजिटल मार्केटिंग, मार्केट लिंकेज और निर्यात अवसरों पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 13 उप निदेशक (कृषि-व्यवसाय) और 19 कृषि अधिकारियों सहित कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. पी. चन्द्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि किसानों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने, सभी उत्पादकों और खरीददारों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आमंत्रित करने तथा आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण की आवश्यकता है।

उनके संबोधन में किसानों को ई-नाम से जोड़ने, किसानों का डिजिटल नेटवर्क बनाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजारों को एकीकृत करने में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका जैसी पहलों को रेखांकित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को ई-एनएएम से जोड़ना, मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण के माध्यम से विपणन रणनीति विकसित करना और बाजार लिंकेज में स्टार्टअप की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना है।

इसमें वैकल्पिक विपणन अवसर, विश्व व्यापार संगठन के मुद्दे, कोडेक्स मानक और कृषि उत्पादकों और निर्यातकों को प्रभावित करने वाले एसपीएस उपाय शामिल हैं। इसमें फसल कटाई के बाद के प्रबंधन, नवीनतम विदेश व्यापार नीति की मुख्य बातें, निर्यात प्रबंधन प्रक्रियाएं और कृषि उपज विपणन के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म सहित बाजार संपर्कों के लिए आईसीटी और सोशल मीडिया के उपयोग को भी शामिल किया गया है।

डॉ. के. सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई), मैनेज ने इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया है।

मैनेज में विश्व पर्यावरण दिवस 2024

मैनेज ने वर्ष 2024 का विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस वर्ष, विश्व पर्यावरण दिवस का थीम है 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित हैं।'

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती सी.एस. रामलक्ष्मी, आईएफएस (सेवानिवृत्त) ने "जलवायु परिवर्तनः जागरूकता से लेकर कार्रवाई तक" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जैव विविधता की हानि, प्रदूषण, मृदा अपरदन, भूमि क्षरण, वनों की कटाई और लुप्त होती आर्द्रभूमि जैसी चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए हमारे दैनिक जीवन में संधारणीय प्रथाओं पर जोर देते हुए समाधानों पर भी चर्चा की।

मैनेज की डॉ. बी. रेणुका रानी, उप निदेशक (एनआरएम) तथा कार्यक्रम की समन्वयक ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर प्रकाश डाला तथा सभी द्वारा प्रकृति की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मैनेज के श्री जॉन मनोज, सहायक अभियंता ने मैनेज की हरित पहलों पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें सौर तथा पवन ऊर्जा का दोहन करने के लिए सौर तथा हाइब्रिड सौर इकाइयों की स्थापना, पीजीडीएम-एबीएम छात्रों के लिए "मी एंड माई प्लांट" कार्यक्रम, परिसर में बांस का पौधारोपण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वर्मीकंपोस्टिंग, तथा इलेक्ट्रिक बग्गी तथा पक्षियों के स्नान केंद्र की शुरूआत शामिल है। उन्होंने कहा कि एक संस्थागत जिम्मेदारी के रूप में मैनेज स्कूली बच्चों के बीच पर्यावरण तथा मैनेज की पहलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इस अवसर पर श्रीमती सी.एस. रामलक्ष्मी, आईएफएस (सेवानिवृत्त) ने मैनेज संकाय और कर्मचारियों के साथ मिलकर परिसर की हरियाली बढ़ाने के लिए पौधे लगाए।

जय जवान किसान कार्यक्रम में भाग लेने वाले भूतपूर्व सैनिक, मैनेज संकाय सदस्य, कंसलटेंट और अन्य कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित थे और उन्होंने पर्यावरण की रक्षा करने की शपथ ली।

मैनेज ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 मनाया

मैनेज ने दिनांक 21 जून, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष का विषय था "स्वयं और समाज के लिए योग।" सुंदर मैनेज परिसर में आयोजित योग सत्र सुबह 6:30 बजे शुरू हुआ और 7:30 बजे तक जारी रहा। मैनेज के योग प्रशिक्षक श्री रूपेंद्र ने सत्र का संचालन किया।

योग के अभ्यास को अपनाने से वातावरण में शांति और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता का भाव भर गया। छात्रों, मैनेज स्टाफ, कंसलटेंटों, शैक्षणिक सहयोगियों और मैनेज परिवार के सदस्यों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

श्री श्रीधर खिस्ते की प्रेमपूर्ण स्मृति

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करते हैं कि हमारे सम्मानित सहकर्मी, श्री श्रीधर खिस्ते, उप निदेशक (प्रशासन) मैनेज का निधन हो गया है। वे दिनांक 12 जून, 2024 को हमसे विदा हो गए।

मैनेज के प्रति उनके अटूट समर्पण और गहन योगदान ने हम सभी पर अमिट छाप छोड़ी है। समर्पण, अनुशासन और व्यावसायिकता की उनकी विरासत हमें हमेशा प्रोत्साहित करती रहेगी।

इस कठिन समय में हम उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। ईश्वर उनके परिवार को इस बड़े नुकसान से उबरने की शक्ति प्रदान करें। उनकी आत्मा हमेशा हमारे साथ रहेगी।

ग्रीनींग मैनेज

मैनेज ने दिनांक 26 जून, 2024 को अपने कैंपस के गंगा इंटरनेशनल गेस्ट हाउस में 50kWp सोलर रूफटॉप ग्रिड कनेक्टेड सिस्टम स्थापित किया। इस रूफटॉप ग्रिड से मैनेज के बिजली बिल में लगभग 25% की बचत होने की उम्मीद है। इस पहल का लक्ष्य अगस्त, 2024 तक 100% आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।

उद्घाटन के दौरान, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने घोषणा की कि मैनेज राजेंद्रनगर का पहला संस्थान है, जिसके पास 225 kWp क्षमता की सौर रूफटॉप ग्रिड से जुड़ी प्रणाली है और मैनेज 100% हरित परिसर प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है तथा इस संबंध में भारत के लिए एक आदर्श बनने का लक्ष्य रखता है।

सके अलावा, उन्होंने बताया कि सोलर रूफटॉप ग्रिड से जुड़ी दो और इकाइयां पाइपलाइन में हैं। इस कार्यक्रम में मैनेज के संकाय सदस्य, कर्मचारी, सलाहकार और मैनेज परिवार के सदस्य मौजूद थे। मैनेज के श्री जॉन मनोज, सहायक अभियंता और उनकी टीम ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

मैनेज ओडिशा के 1,500 बागवानी अधिकारियों को प्रशिक्षित करेगा

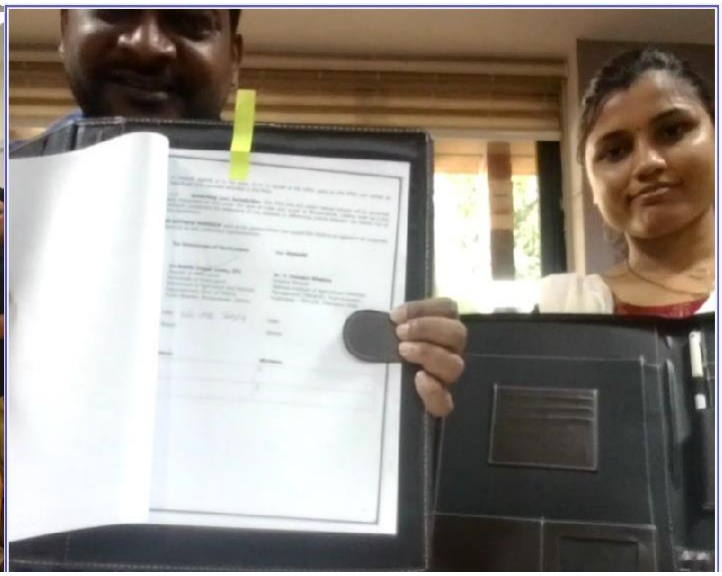

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री रोहिता कुमार लेंका, आईएफएस, बागवानी निदेशक, ओडिशा सरकार ने दिनांक 26 जून, 2024 को एक ऑनलाइन बैठक में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य ओडिशा के 1,500 बागवानी अधिकारियों, बागवानी विस्तार अधिकारियों और किसानों को मैनेज में 50 कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन यात्रा कार्यक्रम प्रदान करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सर्वोत्तम बागवानी पद्धतियाँ, डीपीआर तैयार करना, बागवानी मूल्य श्रृंखला, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का अनुप्रयोग, खाद्य सुरक्षा और मानक, डिजिटल मार्केटिंग, कोल्ड चेन प्रबंधन, उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और बागवानी में प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के अलावा मसालों और फूलों की खेती पर मिशनों को समर्थन जैसे विषय शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम में ओडिशा सरकार के बागवानी निदेशालय के संकाय सदस्यों और अधिकारियों ने भाग लिया।

आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं का मैनेज के एक्सपोजर दौरे पर जाना

तेलंगाना के डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 2023 बैच के छह आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं ने दिनांक 12 जून, 2024 को मैनेज का दौरा किया और एक्सपोजर विजिट के हिस्से के रूप में मैनेज की सुविधाओं का दौरा किया।

डॉ. पी. चन्द्रशेखर, महानिदेशक-मैनेज और संकाय सदस्यों ने मैनेज की चल रही गतिविधियों के बारे में बताया जिसमें कृषि स्टार्टअप, कृषि उद्यमिता विकास, कृषि-व्यवसाय शिक्षा, इनपुट डीलरों का प्रशिक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एफपीओ का क्षमता निर्माण और कृषि में युवाओं का प्रशिक्षण शामिल है।

एक तरफ किसानों के समूहों को बढ़ावा देने और उन्हें बाजारों से जोड़ने तथा दूसरी तरफ बाजार आधारित विस्तार पर कृषि विस्तार पेशेवरों की क्षमता निर्माण पर जोर दिया गया।

अधिकारियों ने संस्थान की सुविधाओं जैसे हाइब्रिड सोलर सिस्टम, इनक्यूबेशन सेंटर, लाइब्रेरी और मूक्स लैब का भी दौरा किया। डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी, उप निदेशक (के.एम.) मैनेज ने इस दौरे का समन्वय किया।

एनएफडीबी के मुख्य कार्यकारी, एआरएस, डॉ. बिजय कुमार बेहरा ने मैनेज का दौरा किया

राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी), हैदराबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बिजय कुमार बेहरा, एआरएस ने 10 जून, 2024 को मैनेज का दौरा किया।

उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत करने में भविष्य के सहयोग पर चर्चा करने के लिए डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज से मुलाकात की।

संपादकीय सदस्य

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा,
महानिदेशक

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: **www.manage.gov.in**

मुख्य संपादक

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा,
महानिदेशक, मैनेज

संपादक

डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तालूरी
उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद

डॉ. के. श्रीवल्ली, सहा.निदेशक (रा.भा.), मैनेज

सुश्री पुजा दास, वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

सहायक संपादक

श्री कृष्णा दाभोलकर,
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज